Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to expedite payment of arrears to sugarcane farmers

in Uttar Pradesh.

श्री तेज प्रताप सिंह यादव (मैनपुरी): भारत में गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य बकाया वर्तमान चालू वर्ष में हजारों करोड़ रूपए है। जबकि गन्ना किसानों की नगदी फसल है। गन्ने की आय से किसानों के परिवार की जीविका चलती है। किसान गन्ने की पर्चियों का भुगतान से अपने बच्चों की पढ़ाई की फीस, बेटी का विवाह तथा परिवार के सदस्यों का ईलाज कराते हैं। गन्ना किसान साहूकार के कर्ज में डूबकर आत्महत्या करने को मजबूर हैं।

नया पेराई सीजन चालू होने के बावजूद उत्तर प्रदेश चीनी मिलों द्वारा पिछले पेराई सत्र का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बकाया 12500 करोड़ रूपए गन्ना मूल्य के सापेक्ष में 50 करोड़ रूपए जारी करने का निर्णय लिया गया है, जिसके कारण किसानों में काफी रोष एवं क्षोभ व्याप्त है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि किसानों की परेशानियों को देखते हुए उनके गन्ने की बकाया धनराशि के भुगतान की यथाशीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।